लापरवाही | मोहगांव में मासूमों की जिंदगी से खिलवाड़, विभाग के दावों की खुली पोल, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

आंगनबाड़ी केंद्र में 5 मासूमों ने खाई चूहा मार दवा

मोहगांव, नवभारत। जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग की घोर लापरवाही का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। मोहगांव विकासखंड के ग्राम रमखिरिया (छपरा टोला) स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में 5 मासूम बच्चों ने खेल-खेल में चूहामार दवा खा ली।

इस घटना ने विभाग के उन तमाम दावों की पोल खोल दी है जो बच्चों के पोषण और सुरक्षा के नाम पर कागजों में किए जाते हैं।

प्रसाद समझकर खा लिया जहर

जानकारी अनुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा अपने घर (जहां केंद्र संचालित है) में आटे के साथ चूहामार दवा मिलाकर असुरक्षित तरीके से रखी गई थी। मासूम बच्चों ने इसे अनजाने में प्रसाद समझकर खा लिया। दवा का असर होते ही बच्चों को उल्टियां शुरू हो गई और उनकी हालत बिगड़ने लगी। आनन-फानन में बच्चों को निजी वाहन से मोहगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया गया। यहां सभी बच्चों को जिला अस्पताल मंडला रैफर किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही घुघरी एसडीएम, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी जिला अस्पताल पहुंचे। जहाँ डॉक्टरों की तत्परता से उनकी जान बच सकी। फिलहाल सभी बच्चे खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं।

ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

घटना के बाद से क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने लापरवाह अधिकारियों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की है। लोगों का कहना है कि यह केवल एक हादसा नहीं बल्कि प्रशासनिक अपराध है। प्रशासन ने जांच की बात कही है, लेकिन ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि यदि ठोस कार्यवाही नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल

इस गंभीर घटना ने जिला कार्यक्रम अधिकारी और परियोजना अधिकारी की कार्यशैली को सीधे कटघरे में खड़ा कर दिया है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारी न तो केंद्रों का नियमित निरीक्षण करते हैं और न ही कार्यालय में उपलब्ध रहते हैं। इसी प्रशासनिक अनदेखी का नतीजा है कि बच्चों की पहुंच में जहरीली वस्तुएं मौजूद थीं।

जंगल में चल रहे जुआ फड़ पर पुलिस का छापा

बम्हनी पुलिस ने भंवरताल के जंगल में छापामार कार्रवाई, 14 आरोपी सहित 11.50 लाख का माल जब्त

बम्हनी, नवभारत। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में जिले में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बम्हनी पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। शनिवार को एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम भवरताल के जंगल में दबिश देकर जुआ खेल रहे 14 आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भवरताल के घने जंगल में बड़े पैमाने पर जुआ फड़ संचालित हो रहा है। सूचना मिलते ही नैनपुर अनुभाग की टीम ने घेराबंदी कर जुआरियों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी मंडला के साथ-साथ बालाघाट जिले के परसवाड़ा और चंदना क्षेत्र के निवासी हैं। आरोपियों के विरुद्ध धारा 13 पब्लिक गेम्बलिंग एक्ट एवं 112(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ये जुआरी पकड़े गए

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि छापे के दौरान आरोपियों में बलराम यादव कातामाल, गोलूराम मरावी कातामाल, दुर्गेश साहू सोनी मोहल्ला बम्हनी, शशांक जंघेला बम्हनी, सचिन तिलाशय, परसवाडा (बालाघाट), सुरेश झारिया, बिंझिया मंडला, सुरेश कुमार भाण्डे, कातामाल, भरत चक्रवर्ती, ठरका, घनश्याम हिरवानी, परसवाडा (बालाघाट), विनोद साहू, चंदना (बालाघाट), तुलसीराम ब्रम्हे, परसवाडा (बालाघाट), अंकुर झारिया, अंजनिया, रज्जन बरमन, पुरवा (महाराजपुर), विष्णु वैध, सुकड़ी (बालाघाट) को गिरफ्तार किया गया।

बोलेरो सहित बाइक भी जब्त

कार्यवाही के दौरान पुलिस ने मौके से 2 लाख 33 हजार 200 रुपये नगद, 16 मोबाइल फोन, एक बोलेरो वाहन, चार मोटर साइकिल और एक स्कूटी जप्त की है। कुल जप्त सामग्री की कीमत लगभग 11 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस टीम को मिला इनाम

इस उत्कृष्ट कार्यवाही के लिए पुलिस अधीक्षक मंडला ने टीम के सराहनीय कार्य पर 10 हजार रुपये के नगद पुरस्कार की घोषणा की है। कार्यवाही में एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक पुनीत वाजपेयी, प्रधान आरक्षक केएम मरावी, जयप्रकाश सिंगौर, आरक्षक अखिलेश सचान, ओपी बघेल, सुरेन्द्र धुर्वे, सुरेश भटेरे शामिल रहे।

घुघरी ब्लॉक में भी शिक्षकों का शंखनाद

घुघरी। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता के विरोध में आज घुघरी ब्लॉक के शिक्षकों ने लामबंद होकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे शिक्षकों ने प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर नियमों में तत्काल संशोधन की मांग की है। शिक्षकों का तर्क है कि सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्णय के बाद उन पर थोपी जा रही पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता उनके भविष्य के लिए बड़ा संकट है। शिक्षकों ने अपनी मांगों को पुरजोर तरीके से रखते हुए कहा कि केंद्र सरकार को इस विषय में तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने मांग की है कि संबंधित प्रावधानों में संशोधन किया जाए। केंद्र सरकार द्वारा विशेष अध्यादेश लाकर सेवारत शिक्षकों को टीईटी से मुक्ति दिलाई जाए। इन्हीं मांगों को लेकर आज घुघरी ब्लॉक के समस्त शिक्षक एकजुट हुए और एक विशाल रैली निकाली। रैली के माध्यम से शिक्षकों ने अपनी आवाज बुलंद की और तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों ने स्पष्ट किया कि उनकी यह लड़ाई उनके अस्तित्व और सम्मान की है।

▸ सरकार से अध्यादेश लाने की मांग

पात्रता परीक्षा के विरोध में शिक्षकों ने घेरा तहसील कार्यालय, आरटीई एक्ट में संशोधन की उठी मांग

नारायणगंज और बीजाडांडी में निकली विशाल रैली, 30 लाख शिक्षकों के भविष्य पर संकट

नारायणगंज/ बीजाडांडी। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर शनिवार को जिले के विभिन्न विकासखंडों में शिक्षकों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। नारायणगंज और बीजाडांडी ब्लॉक में 500 से अधिक शिक्षकों ने एकजुट होकर विशाल रैली निकाली और सरकार द्वारा अनिवार्य की गई शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

शिक्षकों का कहना है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्णय के बाद देशभर के लगभग 30 लाख और मध्यप्रदेश के 1.60 लाख शिक्षकों के भविष्य पर तलवार लटक गई है। बीजाडांडी में जिला संयोजक दिलीप मरावी और ब्लॉक संयोजक अरुण सूर्यवंशी ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षकों की नियुक्ति तत्कालीन मापदंडों के आधार पर हुई थी। वर्षों की सेवा और सकारात्मक शैक्षणिक परिणामों के बाद, अब इस उम्र में प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा थोपना शिक्षकों के आत्मसम्मान के विरुद्ध है।

नारायणगंज में ब्लॉक संयोजक कमलेश मरावी और शेख रहमान के नेतृत्व में निकली रैली में बड़ी संख्या में महिला शिक्षक भी शामिल हुईं। शिक्षकों ने स्पष्ट किया कि कई साथी उम्र सीमा पार कर चुके हैं, जिससे उनके लिए परीक्षा देना तकनीकी रूप से कठिन है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि कार्यरत शिक्षकों को ञ्ञश्वञ्ज से मुक्त रखा जाए और ञ्ज्ञ्रश्व एक्ट में आवश्यक संशोधन कर परीक्षा आदेश को तत्काल निरस्त किया जाए।

दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

शिक्षकों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराते हुए चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी सेवाओं को सुरक्षित करने के लिए जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो यह आंदोलन प्रदेश स्तर पर उग्र रूप ले सकता है। स्थानीय प्रशासन ने शिक्षकों को आश्वस्त किया है कि उनकी जायज मांगों को वरिष्ठ अधिकारियों और सरकार तक पहुँचाया जाएगा।

नैनपुर में भी शिक्षकों का शक्ति प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

नैनपुर। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर शनिवार को नैनपुर ब्लॉक के शिक्षकों ने टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता और पेंशन लाभ की मांगों को लेकर हुंकार भरी। शाम 4 बजे नगर के मुख्य मार्गों से विशाल रैली निकालते हुए शिक्षकों ने शासन की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी नाराजगी जाहिर की। रैली के बाद शिक्षकों ने एसडीएम आशुतोष महादेव ठाकुर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रमुख रूप से मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट के टीईटी संबंधी फैसले के खिलाफ सरकार रिव्यू पिटीशन दायर करे। साथ ही, शिक्षकों ने नियुक्ति दिनांक से सेवा गणना करते हुए वरिष्ठता, पेंशन और ग्रेच्युटी का लाभ देने की पुरजोर मांग उठाई। शिक्षकों का तर्क है कि वर्तमान नियमों से कार्यरत शिक्षकों के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष शिक्षक उपस्थित रहे, जिन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि यदि उनकी जायज मांगों पर विचार नहीं किया गया तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे।

कृषि महोत्सव में छाईं निवास और नारायणगंज की महिला किसान

▸ बायोचार और दीदी बाड़ी मॉडल की हुई सराहना

नारायणगंज/निवास। रायसेन जिले में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय किसान मेला उन्नत कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विकासखंड नारायणगंज और निवास की महिला किसानों ने अपनी तकनीकी कुशलता और नवाचार से देश भर के विशेषज्ञों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। कृषक कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए।

निवास एवं नारायणगंज विकासखंड की महिला किसानों ने प्रदान संस्था के सहयोग से तैयार बायोचार इकाई, जैविक खाद और दीदी बाड़ी मॉडल की प्रदर्शनी लगाई। महिला किसानों ने साझा किया कि कैसे बायोचार तकनीक मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में सहायक सिद्ध हो रही है। इस पर्यावरण-अनुकूल तकनीक की सराहना करते हुए अतिथियों ने कहा कि ऐसी पद्धतियां न केवल किसानों की आय बढ़ाती हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में भी कारगर हैं। प्रदान संस्था के अनुरुद्ध कुमार शास्त्री ने बताया कि महिला किसान अब केवल खेती तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे नवाचारों का नेतृत्व कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। महिला किसान सेवकली ने बताया कि नई तकनीकों को अपनाकर उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और खेती मजबूत हुई है। यह सम्मेलन मल्टीनेशनल कंपनियों, स्टार्टअप्स और कृषि विशेषज्ञों के लिए एक साझा मंच बनकर उभरा। मंडला की इन महिला किसानों को यहाँ आधुनिक कृषि उपकरणों और यंत्रों के विषय में भी महत्वपूर्ण जानकारी मिली। मुख्यमंत्री ने भी इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन कृषि को लाभकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मूक माटी एक्सप्रेस में लगेंगे 2 अतिरिक्त कोच

रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए लिया बड़ा फैसला

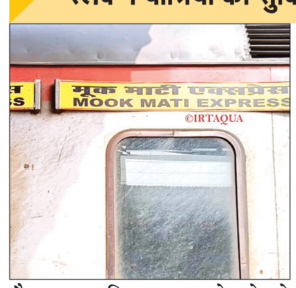

नैनपुर। पश्चिम मध्य रेलवे ने यात्रियों की भारी भीड़ और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 11702/11701 जबलपुर-रायपुर-जबलपुर मूक माटी एक्सप्रेस में स्थायी रूप से 2 अतिरिक्त कोच बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से न केवल यात्रियों को अधिक कंफर्म बर्थ उपलब्ध होगी, बल्कि उनकी यात्रा भी अधिक सुखद हो सकेगी।

रेलवे प्रशासन के अनुसार ट्रेन की संरचना में यह विस्तार दो चरणों में किया जाएगा। बताया गया कि प्रथम चरण 13 अप्रैल से ट्रेन में कोचों की कुल संख्या 16 से बढ़ाकर 18 कर दी जाएगी। इसमें एसी चेयर कार, द्वितीय श्रेणी एसी, तृतीय श्रेणी एसी और शयनयान सहित विभिन्न श्रेणियों के कोच शामिल रहेंगे। द्वितीय चरण 14 मई से कोचों की कुल संख्या 18 ही रहेगी, लेकिन यात्रियों की मांग के अनुरूप उनकी श्रेणियों में संशोधन किया जाएगा। इस चरण में तृतीय श्रेणी वातानुकूलित कोचों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

यात्रियों के लिए विशेष सूचना

रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे अपनी यात्रा से पहले संशोधित कोच संरचना और अपनी टिकट की श्रेणी की जांच अवश्य कर लें। इस स्थायी वृद्धि से जबलपुर और रायपुर के बीच यात्रा करने वाले हजारों दैनिक यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

यात्रियों से वसूल रहे थे रुपए, आरपीएफ ने पकड़ा

जबलपुर, नवभारत। शुक्रवार को आरपीएफ द्वारा दी गई सूचना के अनुसार गाड़ी सं. 22909 वलसाड पुरी एक्सप्रेस के जनरल कोच में यात्रियों से पैसे मांग कर परेशान करने की शिकायत जबलपुर पोस्ट पर प्राप्त होने पर उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार, आरक्षक हरिकेश दुबे, सूर्यनाथ यादव व शत्रुघन सिंह के द्वारा जबलपुर स्टेशन के आउटर एवं स्टेशन पर चेकिंग के दौरान आउटर पर उतरे 03 किन्नरों को पकड़ा जिनके द्वारा यात्रियों से पैसा वसूलने और उन्हें परेशान करने की बात स्वीकार की गई। आरपीएफ ने किन्नरों के विरुद्ध रेल अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की गई। आरपीएफ द्वारा पकड़े गए किन्नरों की पहचान बेलमकोन्डा दिनेश उर्फ बी. नीलीमा गुरू रेशमा उम्र 43 वर्ष निवासी डोर नं. 23-05-15, वाईकुन्टा पुरम, तेनाली, पुलिस थाना वन टाउन, जिला गुन्टूर (आ.प्र.) हाल बाबा टोला, हनुमानमंदिर के पास, पुलिस थाना घमापुर और काली किन्नर गुरु रेशम खान उम्र 42 वर्ष निवासी नाला मोहल्ला नूरानी मस्जिद इटारसी थाना इटारसी जिला नर्मदापुरम, बबली गुरु रेशम खान 52 वर्ष निवासी नाला मोहल्ला नूरानी मस्जिद इटारसी थाना इटारसी जिला नर्मदापुरम के रूप में हुई है।

कार्यवाही | ननि की दबिश, औद्योगिक क्षेत्र में शिफ्ट करने सुनाया फरमान, तालाबंदी की चेतावनी

नियमों की धज्जियां उड़ा संचालित हो रही ब्रेड फैक्ट्री

जबलपुर। राजीव गांधी वार्ड में नियमों को ताक पर रखकर एक ब्रेड फैक्ट्री संचालित हो रही थी। नगर निगम टीम ने दबिश देते हुए रहवासी क्षेत्र में फैक्ट्री संचालन से होने वाली असुविधा और सुरक्षा मानकों की अनदेखी को देखते हुए, तत्काल कड़ा रुख अपनाया है।

फैक्ट्री संचालक को दो टूक शब्दों में निर्देश दिए हैं कि वे अविलंब फैक्ट्री को किसी उचित और नियमानुसार आवंटित औद्योगिक क्षेत्र में शिफ्ट करें। अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर फैक्ट्री को स्थानांतरित नहीं किया गया, तो निगम द्वारा तालाबंदी की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

विदित हो कि निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के कड़े रुख के बाद अब शहर के रिहायशी इलाकों और बाजार क्षेत्रों में अवैध रूप से संचालित हो रहे प्रतिष्ठानों पर कारवाई शुरू हो गई है। निगमायुक्त के निर्देशानुसार अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह ने अपनी टीम के साथ प्रमुख बाजार क्षेत्रों का सघन निरीक्षण किया। रिहायशी इलाकों में प्रदूषण और गंदगी पर लगाम लगाना है व्यावसायिक और औद्योगिक गतिविधियों को निर्धारित क्षेत्रों में ही संचालित करवाना मुख्य उद्देश्य है।

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी ने स्थापित किया नया कीर्तिमान

जबलपुर, नवभारत। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का समापन अभूतपूर्व उपलब्धियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ करते हुए विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी के चारों ताप विद्युत गृहों अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई, सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी, संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर व श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया ने सामूहिक रूप से वित्तीय वर्ष 2025-26 में 26,582.7 मिलियन यूनिट ताप विद्युत उत्पादन कर प्रदेश को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की। इस दौरान चारों ताप विद्युत गृह ने 81.45 प्रतिशत प्लांट उपलब्धता फैक्टर बनाए रखते हुए परिचालन दक्षता के उच्चतम मानक स्थापित किए। विद्युत गृहों की सभी इकाइयों ने निर्धारित मानकों के अनुरूप हीट रेट, विशिष्ट तेल खपत व ऑक्जलरी पावर कंजम्पशन हासिल करते हुए उत्कृष्ट तकनीकी प्रदर्शन प्रदर्शित किया। परिचालन मानकों के संदर्भ में इस वर्ष अमरकंटक ताप विद्युत गृह फेज-III, सतपुड़ा ताप विद्युत गृह फेज-IV, श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह फेज-II व फेज-द्ब ने मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित मानकों से अधिक प्रदर्शन किया। सतपुड़ा ताप विद्युत गृह यूनिट-10 ने 98.29, श्री सिंगाजी सुपर ताप विद्युत परियोजना यूनिट-1 ने 94.55, यूनिट-3 ने 88.77 व संजय गांधी ताप विद्युत गृह यूनिट-3 ने 85.92 प्रतिशत हासिल करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।